मानविकी विद्याशाखा
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

संस्कृत

एम 0 ए 0 प्रथम वर्ष ,सत्रीय कार्य

जमा करने की अन्तिम तिथि..... **15 मई 2016**

कोर्स शीर्षक - भारतीय दर्शन **कोर्स कोड - एमएएसएल 103**

प्रोग्राम कोड - एम. ए. एस. एल -12 **अधिकतम अंक - 40**

ग्रीष्मकालीन सत्र - **2015 -16**

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड ' क' में आठ प्रश्न दिये गये हैं। नमें से किन्ही चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड ' ख ' मे 4 प्रश्न दिये गये हैं जिनमें से किन्ही 2 प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड ' क '

1. विशिष्टाद्वैत ज्ञान मीमांसा का संक्षेप में उल्लेख कीजिए ।
2. चित्त और ईश्वर का वर्णन कीजिए ।
3. शरणागति क्या है ? उल्लेख कीजिए ।
4. द्वैत दर्शन के अनुसार ज्ञान के स्वरूप का उल्लेख कीजिए ।
5. निम्बार्क मत में द्वैताद्वैत के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।
6. सांख्य दर्शन का संक्षिप्त इतिहास लिखिए ।
7. दु:खत्रय का स्वरूप क्या है ?
8. संक्षेप में सत्कार्यवाद को लिखिए ।

खण्ड 'ख'

1. वेदान्तसार के अनुसार आवरण एवं विक्षेप शक्ति का विस्तृत उल्लेख कीजिए।
2. पंचीकरण किसे कहते है ? भारतीय दर्शन में इसे किस प्रकार बताया गया है , विस्तार से लिखिए ।
3. सांख्यदर्शन पर एक निबन्ध लिखिए ।
4. जैन दर्शन का परिचय देते हुए प्रमुख जैन दार्शनिकों का परिचय लिखिए ।